
Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
कक्षा-9वीं राजस्थान बोर्ड 2027
ARJUN BATCH
लोकतांत्रिक राजनीति
संस्थाओं का कामकाज
CHAPTER 04 || PART -03
21 सितंबर 2026 || 05:00 PM
PARLIAMENT
LEGISLATURE
JUDICIARY
EXECUTIVE
PEOPLE
Rajasthan
Constitution
Democracy
Institutions
Citizens
Governance
India

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

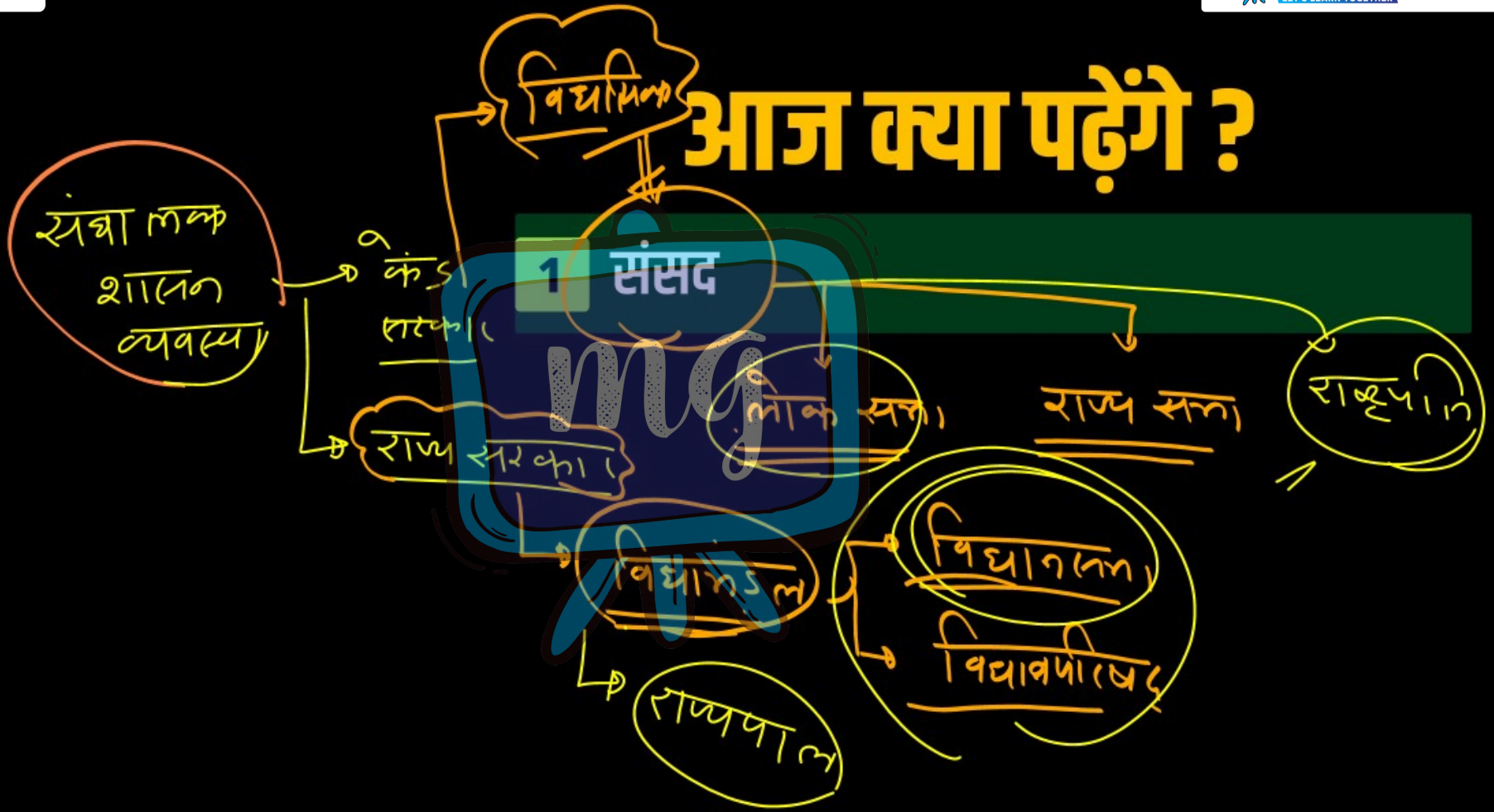

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संसद

- निर्वाचित प्रतिनिधियों की एक सभा, जो जनता की ओर से सर्वोच्च राजनीतिक सत्ता का प्रयोग करती है।
- राज्य स्तर पर इसे विधानसभा कहा जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ अलग-अलग देशों में इसका नाम भिन्न हो सकता है,
लेकिन ऐसी सभा प्रत्येक लोकतंत्र में विद्यमान होती है।



कांग्रेस
संयुक्त राज्य अमेरिका

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संसद की शक्तियाँ

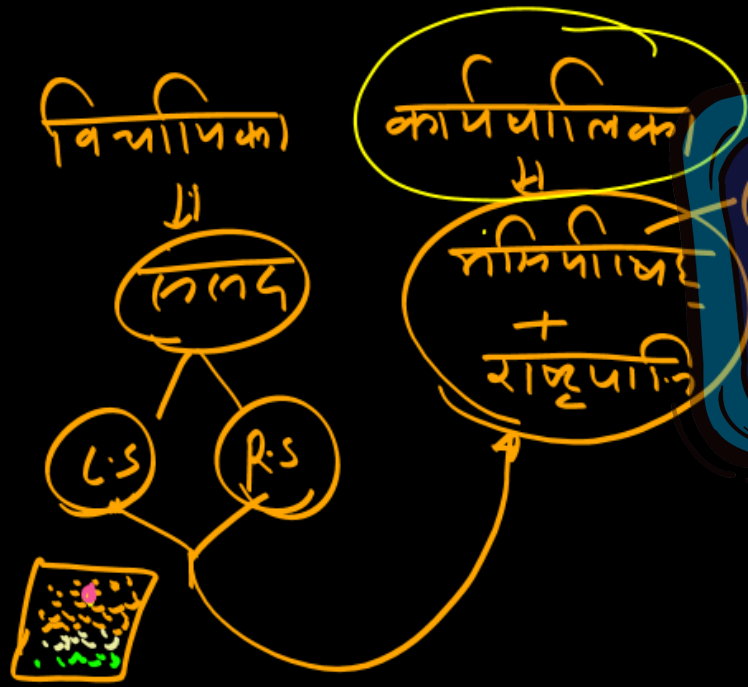



2 सरकार पर नियंत्रण

धन पर नियंत्रण 3

4 चर्चा एवं वाद-विवाद

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

संसद किसी भी देश में कानून बनाने वाली अंतिम प्राधिकारी है।

1. दुनियाभर की संसदें:
   - नए कानून बनाना
   - मौजूदा कानूनों में परिवर्तन करना
   - मौजूदा कानूनों को समाप्त करना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

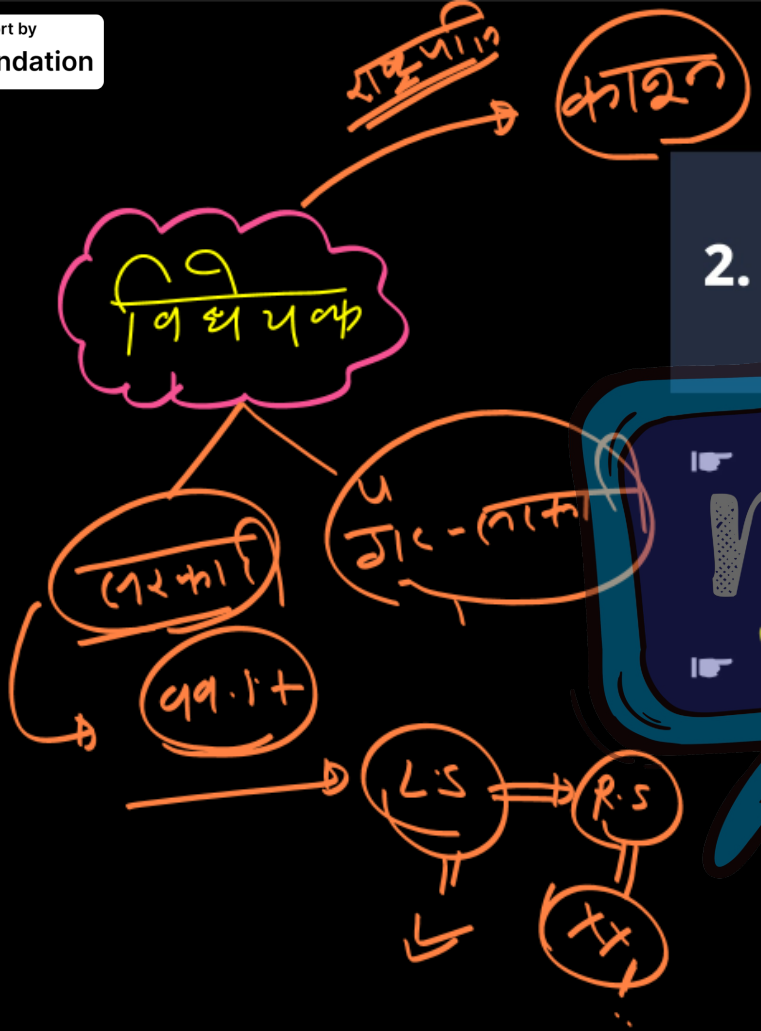

2. दुनियाभर की संसदें सरकार चलाने वालों पर कुछ नियंत्रण रखती हैं।

- कुछ देशों में, जैसे भारत में, यह नियंत्रण प्रत्यक्ष और पूर्ण है।
- सरकार चलाने वाले तब तक ही निर्णय ले सकते हैं, जब तक उन्हें संसद का समर्थन प्राप्त हो।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. अधिकांश देशों में सार्वजनिक धन केवल संसद की स्वीकृति के बाद ही खर्च किया जा सकता है।

4. संसद किसी भी देश में सार्वजनिक मुद्दों और राष्ट्रीय नीति पर चर्चा एवं वाद-विवाद का सर्वोच्च मंच है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

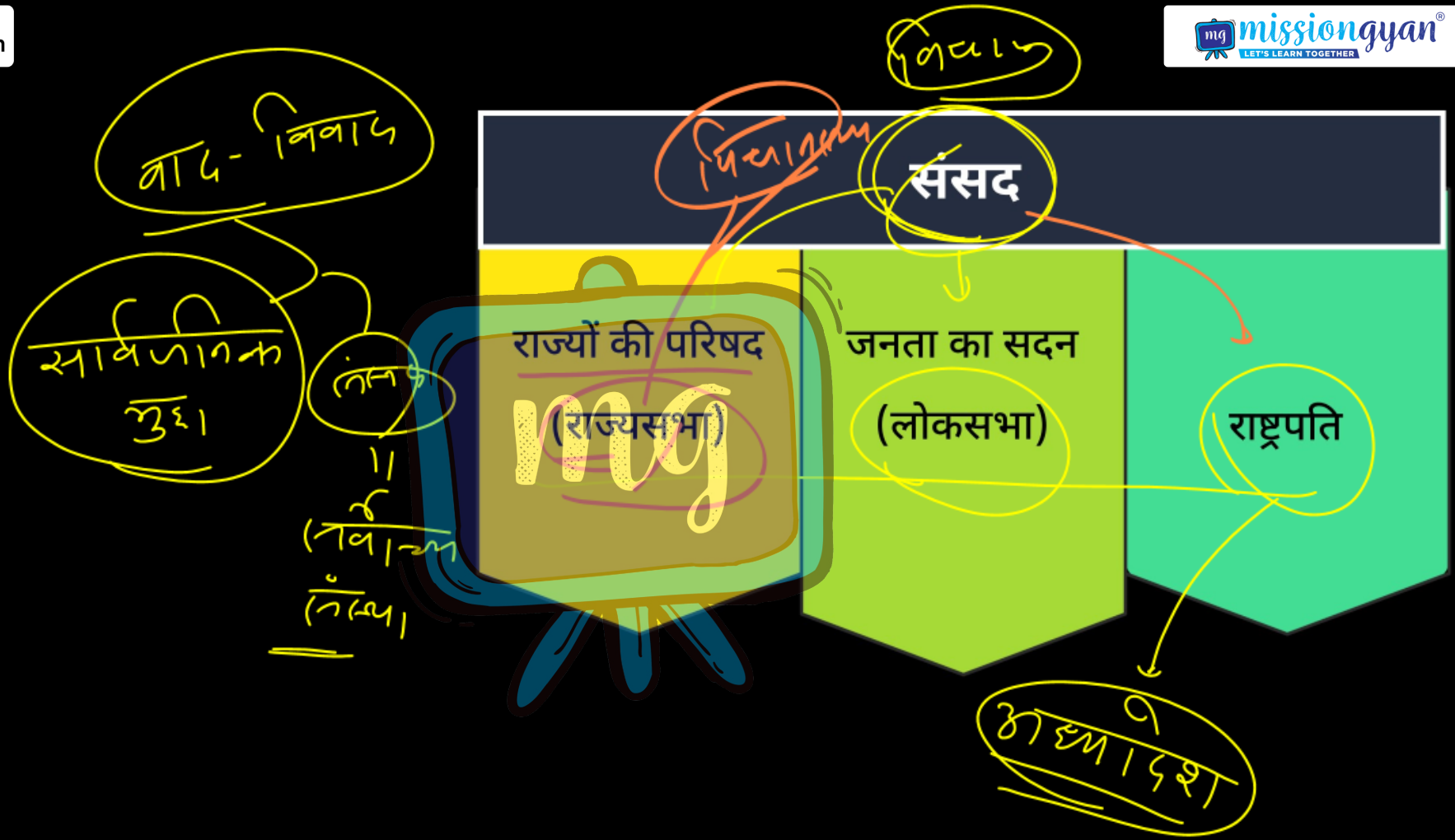

Under CSR Support by
ipca | Foundation

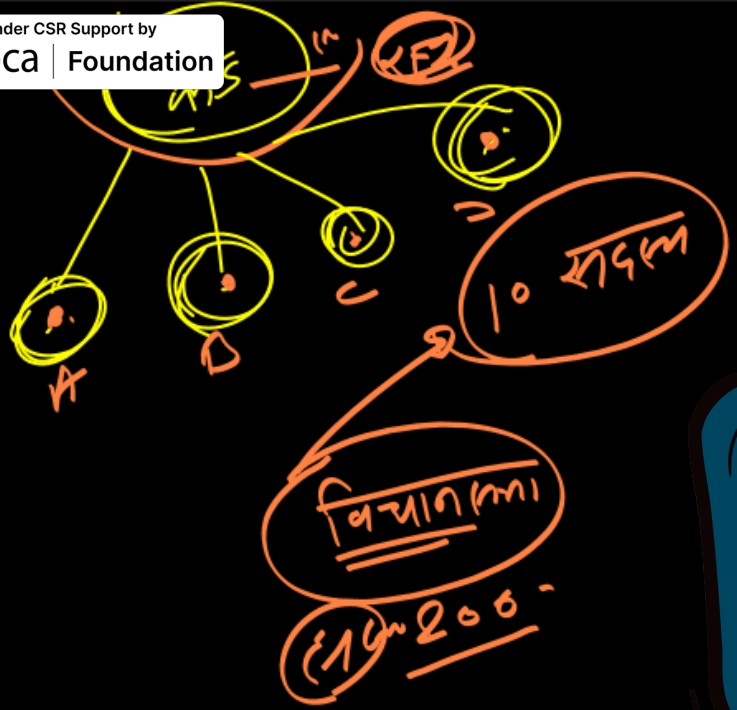

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. राज्यों की परिषद (राज्यसभा)

- उच्च सदन
- राज्यों की परिषद
- अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित
- राज्यों से संबंधित मामलों में राज्यसभा को कुछ विशेष शक्तियाँ प्राप्त।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

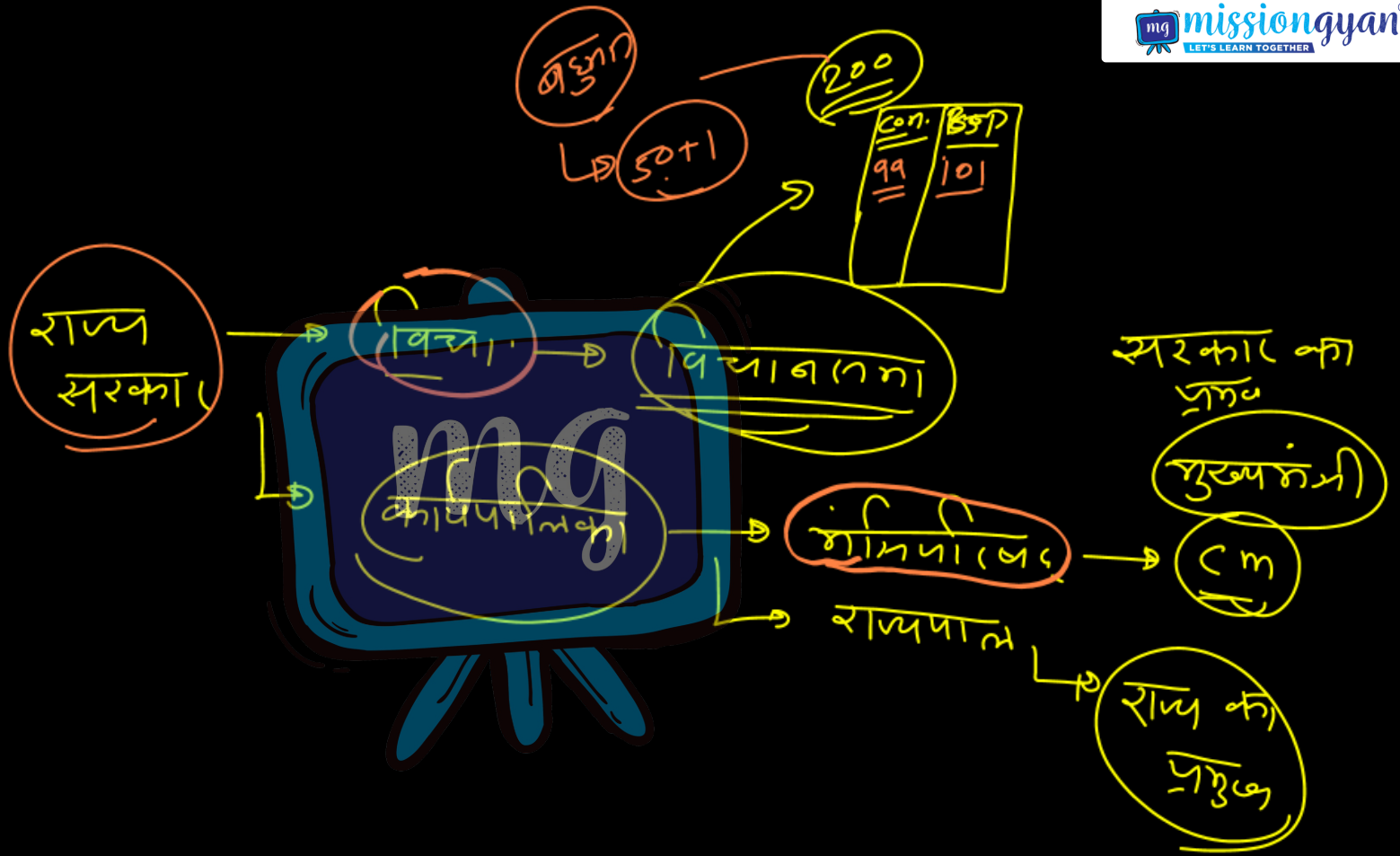

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. लोकसभा

- निचला सदन
- जनता का सदन
- जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित
- जनता की ओर से वास्तविक शक्ति का प्रयोग करती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. भारत के राष्ट्रपति

- भारत के राष्ट्रपति संसद का एक अंग हैं, यद्यपि वे संसद के किसी भी सदन के सदस्य नहीं होते।
- संसद द्वारा बनाए गए सभी कानून राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद ही लागू होते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लोकसभा	राज्यसभा
543 सदस्य	233 + 12 सदस्य
जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित	विधायकों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित
प्रत्येक 5 वर्ष बाद भंग	स्थायी सदन





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लोकसभा, राज्यसभा से अधिक शक्तिशाली



कानून पारित करना

वित्तीय मामले

मंत्रिपरिषद पर नियंत्रण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कानून पारित करना

1. संयुक्त बैठक के दौरान लोकसभा का मत प्रभावी

- साधारण कानूनों के लिए लोकसभा और राज्यसभा, दोनों की स्वीकृति आवश्यक।
- दोनों सदनों के बीच असहमति होने पर संयुक्त बैठक का आयोजन, जिसमें दोनों सदनों के सदस्यों द्वारा चर्चा और मतदान।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- लोकसभा में सदस्यों की संख्या अधिक। इसलिए ऐसी बैठकों में सामान्यतः लोकसभा का निर्णय प्रभावी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वित्तीय मामले

2. वित्तीय मामलों में लोकसभा को अधिक अधिकार

- लोकसभा द्वारा सरकार के बजट या धन से संबंधित किसी कानून को स्वीकृति मिलने के बाद राज्यसभा उसे अस्वीकार नहीं कर सकती।
- राज्यसभा द्वारा केवल 14 दिनों की देरी या परिवर्तनों का सुझाव संभव, लेकिन इन सुझावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार लोकसभा के पास।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मंत्रिपरिषद पर नियंत्रण

3. मंत्रिपरिषद पर लोकसभा का नियंत्रण

- प्रधानमंत्री के लिए लोकसभा के बहुमत सदस्यों का समर्थन आवश्यक।

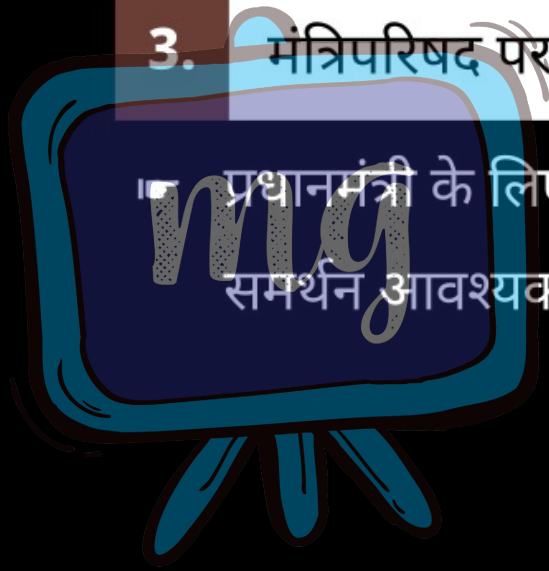

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- लोकसभा द्वारा 'अविश्वास प्रस्ताव' पारित होने पर प्रधानमंत्री सहित सभी मंत्रियों का त्यागपत्र आवश्यक।
- राज्यसभा के पास मंत्रिपरिषद को हटाने की शक्ति नहीं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



राजनीतिक कार्यपालिका

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कार्यपालिका

प्रतिदिन के निर्णय लेने वाले पदाधिकारी, लेकिन जनता की ओर से सर्वोच्च शक्ति का प्रयोग नहीं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कार्यपालिका

राजनीतिक कार्यपालिका



स्थायी कार्यपालिका



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

राजनीतिक कार्यपालिका

- एक निश्चित अवधि के लिए जनता द्वारा निर्वाचित।
- जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व और उसके प्रति उत्तरदायी।
- निर्वाचित प्रतिनिधि होने के कारण नीतिगत निर्णयों पर अंतिम अधिकार।
- सरकार बदलने पर पद से हटना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

स्थायी कार्यपालिका अथवा सिविल सेवाएँ

- दीर्घकालीन आधार पर नियुक्ति, जिन्हें सिविल सेवक भी कहा जाता है।
- संबंधित क्षेत्रों का विशेषज्ञ ज्ञान एवं शिक्षा।
- दैनिक प्रशासन में राजनीतिक कार्यपालिका की सहायता।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के कुशल क्रियान्वयन में महत्त्वपूर्ण भूमिका।
- सरकार बदलने के बाद भी पद पर बने रहना।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद